सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 269 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 7 नवम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति नौजवानी और औरत की सुन्दरता है।
-चाणक्य

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी20 मैच में... 7
राजस्थान में उपचुनाव नेताओं... 3
लखनऊ में कोठी नहीं फिर भी... 2

जेएनयू में लाल सलाम, न्यूयार्क सिटी में नेहरू जिंदाबाद

एबीवीपी सभी सीटों पर दूसरे नम्बर पर

डीयू चुनाव से लिया सबक यूनाइटेड लेफ्ट के बैनर तले लड़ा चुनाव

- जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में मुह की खानी पड़ी एबीवीपी को, लेफ्ट को क्लीन स्विप
- अध्यक्ष पद पर अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष पद पर के गोपिका, महासचिव पद पर सुनील यादव और संयुक्त सचिव पद पर दानिश अली ने जीत हासिल की है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क सिटी के मेयर चुनाव में जीते मेयर ममदानी ने जवाहर लाल नेहरू की स्पीच से बनाया माहौल

नई दिल्ली। तो क्या समय का पहिया घूम रहा है। प्रतीत कुछ ऐसा ही हो रहा है। न्यूयार्क में मेयर पद पर जोहरान ममदानी की जीत और जेएनयू की चारों सीटों पर लेफ्ट को मिली क्लीन स्वीप को इस संदर्भ से देखा जा सकता है। न्यूयार्क सिटी का मेयर अमेरिका में ताकत के हिसाब से नम्बर दो की पोजिशन रखता है।

वहां के मेयर चुनाव में सीधे प्रेसीडेंट ट्रंप को चुनौती देकर चुनाव जीतना आसान काम नहीं था। ठीक वैसे ही जेएनयू चुनाव में भी सरकार से लोहा लेकर वहां जीत हासिल करना भी आसान नही था। वह भी तब जब कुछ दिन पहले ही डीयू चुनाव में लेफ्ट समेत सभी विपक्षी छात्र संगठनों को एबीवीपी ने चुनावों में रौंद दिया था। दोनो जगह के परिणाम यह बताने के लिए काफी है कि समय लौट रहा है।

सीएम रेखा गुप्ता का प्रयास भी नहीं जीता सका एबीवीपी को

संगठित रूप से सरकारी तंत्र, विश्वविद्यालय प्रशासन का अंधा सपोर्ट और राजनीतिक फंडिंग के साथ सीएम रेखा गुप्ता का भरसक प्रयास भी जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी कि किस्मत को नहीं बदल सका और उसे हार का समाना करना पड़ा। एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की लाल दीवारों को झुकाने की कोशिश नाकाम साबित हुई और वहां लाल सलाम का जलवा कायम रहा। जेएनयू सिर्फ एक यूनिवर्सिटी नहीं है यह भारत के राजनीतिक मानस का रिफलेक्शन है। जहां दिल्ली विश्वविद्यालय का माहौल ब्रांडिंग और नेरेटिव पर आधारित होता जा रहा है वहीं जेएनयू अब भी विचार और विरोध की राजनीति को जिंदा रखे हुए है। छात्र राजनीति को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है मगर यहीं से राष्ट्रीय राजनीति की जड़ें निकलती हैं। कौन भूल सकता है कि जेएनयू ने कन्हैया कुमार, उमर खालिद, शेहला रशीद और दिलीप यादव जैसे नेताओं को जन्म दिया है। यह नेता किसी भी पालिटिक्ल पार्टी के सामने सत्ता की सच्चाई उघाड़ने का दम रखते हैं।

यूनाइटेड लेफ्ट ने एकता में शक्ति के सूत्र को बखूबी साधा

इस चुनाव में यूनाइटेड लेफ्ट ने एकता में शक्ति के सूत्र को बखूबी साधा। आइसा एसएफआई, एआईएसएफ, और डीएसएफ एक मंच पर आए और छात्रों ने इसे दिल से स्वीकारा किया। परिणाम यह हुआ कि एबीवीपी हर सीट पर दूसरे नंबर पर सिमट कर रह गयी।। जेएनयू छात्रसंघ चुनाव 2025 में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और महासचिव चारों

सीटों पर लेफ्ट यूनाइटेड ने कब्जा जमा लिया है। अध्यक्ष पद पर अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष पद पर के गोपिका, महासचिव पद पर सुनील यादव और संयुक्त सचिव पद पर दानिश अली ने जीत हासिल की है। ये चारों लेफ्ट यूनाइटेड के उम्मीदवार हैं। सभी चारों सीटों पर दूसरे नंबर पर एबीवीपी के उम्मीदवार रहे।

संयोग या इत्तेफाक

न्यूयॉर्क के वोटर ने ममदानी को इसलिए नहीं चुना कि वह मुस्लिम हैं या प्रवासी। उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि उन्होंने उस शहर में किराया चुकाने वाले मजदूर, टैक्सी चलाने वाले आप्रवासी और ग्रॉसरी में खड़े उस शख्स की आवाज को मंच पर लाया जिसे कोई सुनना नहीं चाहता था। जेएनयू में भी यही आवाज लाल झंडे के नीचे गूंजी वही सवाल, वही असंतोष, वही भूख, वही बेरोजगारी की पीड़ा। यह संयोग नहीं कि दोनों जगहों पर जीतने वाला वर्ग विचारधारा से जुड़ा है न कि प्रचार मशीन से। और हारने वाला भी वही है जो सत्ता को स्थायी समझ बैठा था। ममदानी की राजनीति इंकलाब जिंदाबाद नहीं कहती लेकिन उसके भीतर वही इंकलाब जिंदा है। जेएनयू में जब कोई छात्र हाथ उठाकर कहता है कि हम सवाल पूछेंगे तो यह उसी लोकतांत्रिक परंपरा की गूंज है जिसने न्यूयॉर्क में ममदानी को गढ़ा।

काउंटिग के दौरान झड़पे हुयी

जेएनयू कैंपस में वोट काउंटिंग के दौरान तनाव वाली स्थिति देखने को मिली। लेफ्ट यूनिटी के कुछ सदस्यों के बीच हल्की सी झड़प हो गई जो काउंटिंग वाले एरिया के पास हुई। डीयू के नतीजों के बाद एबीवीपी ने समझा था कि जेएनयू में जीत सिर्फ प्रचार से मिल जाएगी। लेकिन जेएनयू कोई चुनावी मैदान नहीं यह विचारों का कुरुक्षेत्र निकला और एबीवीपी के प्रचार तंत्र की हवा निकाल दी। जब डीयू चुनाव में एबीवीपी जीती थी तो सत्ता के गलियारों में जश्न मनाया गया था। कहा गया था कि अब जेएनयू अगला स्टेशन है।

लखनऊ में कोठी नहीं फिर भी मैं भूमाफिया : आजम खां

» राजधानी में सपा नेता से मिले सपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां राजधानी लखनऊ पहुंचे। उन्होंने सपा के कुछ नेताओं ने भी मुलाकात की। उन्होंने बातचीत में कहा कि 50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं है, फिर भी मुझे भूमाफिया घोषित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के कट्टा वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि हमारे यहां तो कट्टे बेचने वाले का बेटा विधायक बना और उसे कमांडो मिले हैं।

वह लखनऊ के एक होटल में रुके। वहां राजनेताओं खासकर सपाइयों के आने-जाने पर सरगर्मी बड़ी और लोगों को इसकी जानकारी हुई। उनसे मुलाकात करने वालों में पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा और मुख्तार अंसारी के बड़े भाई पूर्व विधायक सिबगतुल्लाह को वहां देखा गया। वहीं, आजम खां ने हैदर अब्बास की लिखी पुस्तक सीतापुर की जेल डायरी का विमोचन किया।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं भूमाफिया होता तो लखनऊ में मेरे पास भी कोठी होती। रामपुर में जहां रहता हूं बारिस में पानी भर जाता है। तंज करते हुए कहा कि सवाल मत पूछिये उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था बेहतर है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज भी जंगलराज है। इसके चलते वे वहां चुनाव प्रचार करने नहीं गए। जानवरों से लड़ने और जिनके पास सक्षम हथियार हैं, वही लोग वहां गए। उनके पास कोई सुरक्षा नहीं है।

सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां ने शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस दौरान उनके बेटे अब्दुल्ला भी मौजूद रहे।

जो सरकार में आएगा उसे सलाम करेंगे

उन्होंने रामपुर के भाजपा विधायक आकाश सक्सेना पर निशाना साधते हुए कहा, उनकी एफआईआर पर मैं मेरी पत्नी व बेटा जेल गए। उन्होंने गिरिराज सिंह के बयान पर कहा कि बिहार पाकिस्तान नहीं है। उन्हें आज इसको लेकर सफाई क्यों देनी पड़ रही है। इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए, जिससे लगे कि आप बहुत मासूम राय दे रहे हैं। हमारी उम्र में लोग मासूम हो ही जाते हैं। एनडीए की सरकार बनने पर कहा कि जो आएगा उसे सलाम करेंगे।

हमारे यहां तो कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक हो गया

इसलिए वह उस जंगल तक नहीं गए। उन्होंने कहा कि हम किसी राज्य को जंगल कहें यह तौहीन है। ऐसे अल्फाज के लिए जम्हूरियत में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में कट्टे को लेकर दिए बयान पर कहा कि अगर जानकारी है, तो बताएं कि कितने बरस कट्टा बिका। हमारे यहां तो कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक हो गया। उसे केंद्र सरकार के गार्ड मिले हुए हैं। वर्ष 1975 में जो कट्टे के इल्म के साथ गिरफ्तार हुआ, वह खुद विधायक बना और उसका बेटा आज विधायक है।

राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई टली

» एमपी-एमएलए कोर्ट में अगली सुनवाई 17 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। एमपी-एमएलए कोर्ट में रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को स्थगित हो गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि एक अधिवक्ता के निधन के कारण आज कोर्ट में कंडोलेंस था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। यह मामला वर्ष 2018 का है।

कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। विजय मिश्रा का आरोप है कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। पांच साल तक चली अदालती कार्यवाही के दौरान राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

देश संविधान से चलता है, किसी व्यक्ति या संगठन की इच्छा से नहीं : डोटासरा

» सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम् अनिवार्य करने पर सियासी विवाद कांग्रेस भाजपा पर भड़की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सरकार ने सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों में हर सुबह वंदे मातरम् गीत गाने को अनिवार्य करने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद राज्य में सियासी संग्राम चालू हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि देश संविधान से चलता है, किसी व्यक्ति या संगठन की इच्छा से नहीं।

उन्होंने चेताया कि इस तरह के फ़रमान आने वाले समय में संघ के ध्वज-प्रणाम या शस्त्र पूजा को भी मदरसों में लागू करने की कोशिश हो सकती है। ओबीसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हरसहाय यादव ने कहा कि सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतें, शिक्षकों की कमी और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के बावजूद सरकार इन असली मुद्दों पर चुप है। बता दें सरकार का यह कदम 'वंदे मातरम्' के 150 वर्षों के महत्व और पूरे साल देशभक्ति वर्ष मनाने के अभियान का हिस्सा है। शिक्षा विभाग ने कहा कि आदेश का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। 15 नवंबर तक यह व्यवस्था सभी संस्थानों में लागू हो जाएगी, और इसकी निगरानी जिला शिक्षा अधिकारियों को सौंपी गई है। वहीं, कांग्रेस ने इस निर्णय को लेकर विरोध जताया है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। यह निर्णय किसी धर्म या मजहब के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी शिक्षण संस्थानों में समान देशभक्ति माहौल तैयार करने के लिए लिया गया है।

कांग्रेस के वोट चोरी की नीति को भाजपा आगे बढ़ा रही : अभय

» इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से हरियाणा में वोट चोरी के आरोपों के बीच सियासत तेज हो गई है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने राहुल गांधी के बयानों पर सवाल उठाए हैं। अभय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समय वोट चोरी की शुरुआत हुई और अब उसी नीति को भाजपा आगे बढ़ा रही है।

अभय ने आरोप लगाए कि राहुल ने तेलांगना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में कांग्रेस की सरकार आई तब उन्होंने इन राज्यों के नाम नहीं लिए, क्या वहां वोट चोरी नहीं होते। राहुल से सवाल करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में पहले एक ही आदमी मशीनों के बटन दबाकर वोट डाल देता था और तब कांग्रेस क्यों चुप थी जबकि उस समय कांग्रेस की ही सरकार थी। कांग्रेस और भाजपा को घेरते हुए अभय ने कहा कि एक पार्टी नागनाथ तो दूसरी पार्टी सांपनाथ है। दोनों पार्टियां चोर-चोर मौसेरे भाई वाली है। राहुल द्वारा सेना पर दिए गए बयान कि देश के मात्र 10 प्रतिशत लोगों को कब्जा है का जवाब देते हुए कहा कि सेना पर टिप्पणी नहीं होनी चाहिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा दिखावे के लिए करती है प्रचार : दिग्विजय चौटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भिवानी। जजपा के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने वीरवार को भिवानी के देवीलाल सदन में कार्यकर्ता बैठक के बाद मीडिया से बातचीत किया। उन्होंने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर सहमति जताते हुए तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कर सरकार बनाना लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा सिर्फ दिखावे के लिए प्रचार करती है।

उन्होंने अपने चाचा और इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला को राजनीति में सभ्य भाषा का प्रयोग करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि फूहड़ भाषा केवल अस्थायी लोकप्रियता दिला सकती है, लेकिन लंबी राजनीति में इसका कोई लाभ नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा द्वारा बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर दिग्विजय ने कहा कि जजपा हमेशा से बैलेट पेपर के जरिये चुनाव कराने के पक्ष में रही है। दिग्विजय ने हरियाणा में नायब सरकार के एक साल पूरे होने पर कहा कि राज्य में चुने हुए प्रतिनिधियों का नहीं, बल्कि अधिकारियों का राज है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है जैसे हरियाणा में राष्ट्रपति शासन लागू हो। उन्होंने मुख्यमंत्री को डमी कहे जाने पर कहा कि यह जनता की आवाज है और जनता का डंका परमात्मा का डंका होता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सार्वजनिक स्थलों से 8 हफ्तों में हटाए जाएं आवारा कुत्ते

» सरकारों को सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश, अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में सड़कों और हाईवे पर खुले घूम रहे आवारा मवेशियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि हाईवे और सड़कों से आवारा मवेशियों को तुरंत हटाया जाए।

दरअसल, आवारा कुत्तों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस स्टैंडों, खेल परिसरों और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों और अन्य ऐसे मवेशियों को तुरंत हटाए जाने और उन्हें आश्रय गृह भेजने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए 8 हफ्ते का समय दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे राजमार्ग गश्ती दल गठित करें जो सड़कों से आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें आश्रय गृहों में रखें जहां उनकी देखभाल की जाएगी। आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान उच्च न्यायालय के उन निर्देशों की भी पुष्टि की जिनमें राज्य सरकार के अधिकारियों, नगरपालिका अधिकारियों और सड़क एवं परिवहन अधिकारियों को राजमार्गों और एक्सप्रेसवे से मवेशियों को हटाकर उन्हें आश्रय स्थलों में पुनर्वासित करने का निर्देश दिया गया था (समाचार एजेंसी एएनआई के इनपुट के साथ)

बता दें कि न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि आवारा कुत्तों को उसी जगह वापस नहीं छोड़ा जाना चाहिए जहां से उन्हें उठाया गया था। वहीं, शीर्ष न्यायालय ने आदेश दिया कि न्यायमित्र द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया जाए और वह उसके आदेश का हिस्सा होगी।

राजस्थान में उपचुनाव नेताओं में बढ़ा तनाव

कांग्रेस-भाजपा दोनों ने झोंकी पूरी ताकत

- अंता में चरम पर पहुंची सियासी जंग
- पायलट व अन्य नेता भी प्रचार में जुटे
- वसुंधरा व भजनलाल ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में अंता उपचुनाव में कांग्रेस और भाजपा पूरी ताकत झोंक रही हैं। दोनों के लिए यह प्रतिष्ठा का सवाल है। राज्य के सीएम भजनलाल शर्मा और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का संयुक्त रोड शो से मतदाताओं को अपनी ओर लाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस 272 नेताओं के साथ बूथ स्तर पर सक्रिय, पायलट व अन्य नेता भी प्रचार में जुटे हैं। अंता विधानसभा उपचुनाव की जंग अब अपने अंतिम और निर्णायक दौर में है।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ने इस चुनावी रण को जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस ने मैदान में करीब 300 नेताओं की फौज उतार दी है, जिनमें सांसदों से लेकर पीसीसी पदाधिकारियों तक शामिल हैं। हर गांव और हर बूथ पर नेताओं को तैनात किया गया है ताकि मतदाता तक सीधा संपर्क बनाया जा सके। वहीं बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे भी प्रचार में उतर चुकी हैं। आज अंता में वसुंधरा राजे और सीएम भजनलाल शर्मा का संयुक्त रोड शो रखा गया है।

राजनीतिक संदेश देने का मौका

अंता उपचुनाव से भले ही विधानसभा का समीकरण न बदले, लेकिन दोनों दल इसे राजनीतिक संदेश देने का मौका मान रहे हैं। भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद से राजस्थान में अब तक 7 उपचुनाव हो चुके हैं। लेकिन यह पहला उपचुनाव है जब सीएम भजनलाल शर्मा व पूर्व सीएम वसुंधरा राजे एक साथ रोड शो में नजर आएंगे। वहीं कांग्रेस के भी तमाम बड़े नेता लगातार अंता में आ रहे हैं। छोटी-छोटी सभाओं तक में जा रहे हैं। कांग्रेस सरकार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश में है, जबकि भाजपा सत्ता में जनसमर्थन दिखाने के लिए पूरा जोर लगा रही है। आखिरी तीन दिनों में दोनों दलों के दिग्गज नेताओं के बीच सियासी शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

भाजपा की रणनीति में बड़ा रोड शो

वहीं भाजपा भी अब पूरी ताकत से मैदान में उतर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज 6 नवंबर (गुरुवार) को अंता में भव्य रोड शो करेंगे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद दुष्यंत सिंह, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन भी एक विशेष रथ पर सवार होंगे। यह पहला मौका होगा जब भजनलाल शर्मा और वसुंधरा राजे एक साथ किसी सीट पर प्रचार करते दिखाई देंगे। वसुंधरा राजे पहले ही प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुकी हैं। रोड शो दोपहर 12 बजे मांगरोल के सुभाष चंद्र बोस सर्किल से शुरू होकर आजाद चौक होते हुए सीसवाली चौराहा तक निकाला जाएगा। पूरे मार्ग पर 51 स्वागत द्वार सजाए गए हैं और जगह-जगह कार्यकर्ता फूल बरसाकर स्वागत करेंगे। कार्यक्रम में महिला और युवा कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी रहेगी। भाजपा का दावा है कि यह रोड शो क्षेत्र में पार्टी के प्रति जनसमर्थन को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कार्यक्रम सुबह 10:50 बजे जयपुर से प्रस्थान के बाद झालावाड़ होते हुए मांगरोल पहुंचेगा। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक रोड शो के बाद वे पुनः जयपुर लौटेंगे।

वसुंधरा ने प्रचार में कही थी ये बात

वसुंधरा राजे ने प्रचार के दौरान कहा था कि मोरपाल के पीछे मैं और दुष्यंत खड़े हैं। मोरपाल चुनाव जीतेंगे तो जनता के तीन प्रतिनिधि होंगे, जिससे जो काम अभी तक लोकल होने की वजह से नहीं हो पाते थे, तो आसानी से हो सकेंगे। उन्होंने कहा था कि यह चुनाव जन-बल और धन-बल के बीच हैं। एक तरफ जनता और एक तरफ पैसों की ताकत है। जन-बल हमारे साथ है और हमेशा मैंने देखा है कि जीत जन-बल की ही होती है।

मांगरोल से सीसवाली तिराहे तक रोड शो

सीएम भजनलाल शर्मा दोपहर 12 बजे हैलीकॉप्टर से मांगरोल पहुंचें। यहां सुभाष चौक से आजाद चौक होते हुए सिसवाली तिराहे तक उनका रोड शो चला। इस रोड शो में जगह-जगह ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा से कार्यकर्ता सीएम का स्वागत किया। वे शाम 4 बजे तक मांगरोल में रहेंगे। यहां वे मौजूद नेताओं के साथ चुनावी चर्चा भी कर सकते हैं। बीजेपी में प्रत्याशी की घोषणा होने के बाद से 3 नवंबर तक कोई भी बड़ा नेता प्रचार के लिए अंता नहीं गया था। केवल बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एक बार अंता पहुंचे थे। मंगलवार को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने अंता में चुनाव प्रचार की कमान संभाली। उन्होंने सीसवाली मंडल और अंता शहर मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इससे पहले वसुंधरा के बेटे और झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह ही क्षेत्र में पार्टी का प्रचार कर रहे थे।

कांग्रेस ने 272 नेताओं को जिम्मेदारी दी

पार्टी ने अब तक 272 नेताओं को जिम्मेदारी दी है, जिनमें 40 बड़े नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया गया है। चुनाव प्रभारी, सह प्रभारी और स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायतवार 170 प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। हर पंचायत में 3-3 नेताओं को जिम्मेदारी देकर कांग्रेस ने बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट पर जोर दिया है। कांग्रेस विधायक सचिन पायलट बुधवार को अंता में रोड शो कर चुके हैं। गोविंद डोटासरा, सुखजिंदर रंधावा, सचिन पायलट और टीकाराम जूली जैसे दिग्गज नेता पहले ही प्रचार में जुट चुके हैं। आने वाले दिनों में अशोक गहलोत के भी अंता पहुंचने की संभावना है।

भजनलाल शर्मा के साथ विशेष रथ में सवार होंगी वसुंधरा राजे

अंता विधानसभा उपचुनाव में सीएम भजनलाल शर्मा की एंट्री होने जा रही है। चुनाव प्रचार थमने से चार दिन पहले यानी गुरुवार को सीएम का अंता में रोड शो होगा। सीएम के रोड शो के लिए विशेष रथ तैयार किया गया है। इस रथ पर सीएम के साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद दुष्यंत सिंह और प्रत्याशी मोरपाल सुमन भी सवार होंगे। ऐसा करके पार्टी चुनाव में एकजुटता का संदेश भी देना चाहती है। दरअसल अंता उपचुनाव में बीजेपी ने टिकट देने में देरी की थी, जिसने पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं होने की सियासी चर्चाओं को जन्म दे दिया था। विपक्ष भी लगातार बीजेपी पर कई गुटों में बंटे होने का आरोप लगाता आया है। गौरतलब है कि अंता में 11 नवंबर को वोटिंग होगी और 14 नवंबर को रिजल्ट आएगा।

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव की घोषणा होते ही बढ़ी सरगर्मी

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने राज्य की नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायत निकायों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसी के साथ वहां पर चुनावी सरगर्मी बढ़ गई। उद्धव, शरद पवार से लेकर महाविकास अघाड़ी के अन्य सदस्य समेत कई दिग्गज भाजपा सरकार पर हमलावर हो गए है। नेता महायुति को वोट न देने की अपील कर रहे हैं। बता दें राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मुंबई में बताया कि 246 नगर पालिका परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर को मतदान होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और विपक्षी दल

चुनाव स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने 1 जुलाई को संशोधित मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर चिंता जताई है और दावा किया है कि इसमें डुप्लिकेट और फर्जी प्रविष्टियाँ हैं और इनकी गहन जाँच की आवश्यकता है। डुप्लिकेट मतदान रोकने के लिए एक सत्यापन प्रणाली शुरू की गई है। जब कोई मतदाता मतदान केंद्र पर पहुँचेगा, तो कुछ प्रविष्टियों के लिए एक दोहरा सितारा चिह्न प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे मतदान अधिकारियों को मतदाता की पहचान सत्यापित करने की सूचना मिल जाएगी। ऐसे मतदाताओं को यह पुष्टि करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वे कहीं और मतदान नहीं कर रहे हैं। परिषद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए खर्च सीमा 15 लाख रुपये और सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए 12 लाख रुपये तय की गई है। चुनाव आयोग एक मोबाइल ऐप भी लॉन्च करेगा जिसमें उम्मीदवारों और मतदाताओं दोनों के बारे में पूरी जानकारी होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्राकृतिक ऊर्जा को मिले बढ़ावा

जिस तरह से प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रहा है वह विश्व के साथ भारत के लिए खतरनाक है। ऐसे में प्राकृतिक ऊर्जा या नवीनीकृत ऊर्जा को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक है। सूर्य, जल और वायु से प्राप्त ऊर्जा पूर्णत: प्राकृतिक, प्रदूषणमुक्त और सस्ती होती है। इसके उपयोग से जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण में कमी आती है। सरकार को इसके लाभों का व्यापक प्रचार करना चाहिए तथा उपभोक्ताओं को टैक्स छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन देने चाहिए ताकि नवीकरणीय ऊर्जा का प्रसार अधिक तेजी से हो सके। लोगों को अपने घरों की छतों पर सौर सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्हें इसके पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी जाए। साथ ही सरकार को सब्सिडी देकर सौर ऊर्जा के प्रसार को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि हर परिवार इसका लाभ उठा सके। नवीकरणीय ऊर्जा ऐसे स्रोतों से प्राप्त होती है जो प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होकर पुन: निर्मित हो सकते हैं, जैसे सौर, पवन और जलविद्युत ऊर्जा।

“ वीकरणीय ऊर्जा ऐसे स्रोतों से प्राप्त होती है जो प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होकर पुन: निर्मित हो सकते हैं, जैसे सौर, पवन और जलविद्युत ऊर्जा। लोगों को इनकी उपयोगिता समझाने के लिए सेमिनारों का आयोजन किया जाए और सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि आमजन भी अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगाकर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भागीदार बन सकें।

लोगों को इनकी उपयोगिता समझाने के लिए सेमिनारों का आयोजन किया जाए और सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि आमजन भी अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगाकर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भागीदार बन सकें। वर्तमान समय में सरकार को ऊर्जा उत्पादन और परिवहन के क्षेत्र में तापीय और जीवाश्म ईंधनों की जगह पवन, सौर और ज्वारीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, इन संसाधनों के क्रय पर सब्सिडी देकर आमजन को इनके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार को हरित ऊर्जा की खुली पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा के भंडारण हेतु आधुनिक टरबाइन और पैनल स्थापित किए जाएं। अंतरराज्यीय शुल्क में छूट, टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया, 'प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान मिशन' और 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। हर व्यक्ति को अपनी छत पर सौर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए और इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएं। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के लिए सौर व पवन ऊर्जा परियोजनाओं को कर रियायतें दी जाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में सौर पैनल स्थापित हों, और ऊर्जा दक्ष तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए। सार्वजनिक-निजी साझेदारी को प्रोत्साहित कर हरित ऊर्जा निवेश बढ़ाया जाए। साथ ही, स्कूलों में ऊर्जा साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए जाएं ताकि आने वाली पीढ़ी भी स्वच्छ ऊर्जा के महत्व को समझे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सादगीपूर्ण जीवनशैली प्रदूषण मुक्ति की राह

अविजित पाठक

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की तीव्रता के बारे में पहले ही काफी कुछ कहा और लिखा जा चुका है। बारम्बार, हमें उस जहरीली हवा के हानिकारक परिणामों की याद दिलाई जाती रही है जिसमें हम सांस लेते हैं। जैसा कि एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया कहते हैं, वायु प्रदूषण कोविड-19 से ज्यादा लोगों की जान ले रहा है। दरअसल, उनके शब्दों में, वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव खांसी और सांस फूलने से कहीं आगे तक जाते हैं; यह दिल के दौरे, ब्रेन स्ट्रोक और यहां तक कि कैंसर जोखिम का एक बड़ा कारक है। फिर भी, ऐसा लगता है कि हम बुनियादी सवाल उठाने और इस संकट की जड़ तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं। इसके बजाय, हम सरकार द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों से ही संतुष्ट रहना पसंद कर रहे हैं। एयर प्यूरीफायर खरीदें; बाहर जाते समय एन95 मास्क का इस्तेमाल करें; और तकनीकी चमत्कार- क्लाउड सीडिंग एवं कृत्रिम वर्षा - का इंतजार करें!

दरअसल, किसी सार्वजनिक समस्या के ऐसे निजीकृत समाधानों से परे देखने, खुद से सवाल करने और उस वैश्विक नजरिये अथवा जीवन शैली के तरीकों पर सवाल उठाने के लिए साहस और राजनीतिक/नैतिक दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है, जिसे हमने सामान्य बना लिया है। आइए, हम ईमानदारी से स्वीकार करें कि दिल्ली का वायु प्रदूषण, व्यापक जलवायु संकट और पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते हमलों से जुदा नहीं है। आधुनिकता के मूल मिजाज और प्रकृति पर मशीनी प्रभुत्व स्थापित करने की तर्कसंगतता मनाने पर विचार करें। 16वीं शताब्दी के दार्शनिक फ्रांसिस बेकन को याद करें- जिस तरह उन्होंने प्रकृति को मात्र संसाधन के रूप में देखा, और उस पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रकृति पर जीत प्राप्त करने, उसे काबू करने और अपने हिसाब से घुमाने के लिए नव विज्ञान की वकालत की है। यह कहकर कि 'ज्ञान ही शक्ति है' -बेकन का यह सिद्धांत उस सोच को नई गति देता है जिसको लेकर आधुनिकता बहुत उत्साहित रहती है, अंतहीन तकनीकी-भौतिक प्रगति हेतु प्रकृति पर विजय पाने का कार्य।

और फिर, आधुनिकता की सबसे प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति के रूप में तकनीकी-पूंजीवाद के निरंतर विकास के साथ, हम आर्थिक विकास और उपभोक्तावाद के सिद्धांत के प्रति तेजी से आदी होने लगे। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे आस-पास की हर चीज, चाहे

वह पेड़ हो, नदी हो, जंगल हो या पहाड़, अपना रहस्य और अर्थ खो बैठी है। इस मोहभंग भरी दुनिया में, प्रकृति हमारी बढ़ती जरूरतों और लालच को पूरा करने के लिए अपने 'उपयोग मूल्य' के साथ एक संसाधन मात्र बन गई है - ज्यादा बिजली, ज्यादा कारें, ज्यादा फर्नीचर, ज्यादा यात्राएं, ज्यादा कपड़े, ज्यादा उपभोग... हम सड़कें बनाने के लिए हजारों पेड़ों को नष्ट करने से नहीं हिचकिचाते; बांध बनाने और बिजली पैदा करने के लिए नदी के प्राकृतिक प्रवाह और लय को नष्ट कर रहे हैं; हम उपभोक्तावादी पर्यटकों की जरूरतों की पूर्ति हेतु होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए नाजुक पहाड़ों को नष्ट करते हैं। इसके अलावा, चूंकि आधुनिकता के विमर्श में गति और गतिशीलता का पंथ अंतर्निहित है, इसलिए हमें ज्यादा कारों, ज्यादा ट्रेनों, ज्यादा हवाई जहाजों की जरूरत है; और इसके वास्ते उपयोग होने वाले जीवाश्म ईंधन का निरंतर दोहन ज्यादा से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा देता है। हम आधुनिकता व तकनीकी-पूंजीवाद के दुष्चक्र में फंसे हैं। जैसा कि समाजशास्त्री उलरिच बेक ने कहा है, 'अब हम एक 'जोखिम युक्त समाज' में जी रहे हैं।' दिल्ली का वायु प्रदूषण आधुनिकता की त्रासदी का एक उदाहरण है। शहर में घूमते वक्त वाहनों की भरमार देखिए। जैसा कि दिल्ली के 2023 के आंकड़े बताते हैं, राजधानी में पंजीकृत वाहनों की कुल संख्या 1.2 करोड़ थी, जिनमें से 33.8 लाख निजी कारें थीं। शहर में जारी अंतहीन निर्माण कार्य को देखिए- कहीं कोई नया राजमार्ग, कोई नया फ्लाईओवर, कोई नया मेट्रो स्टेशन, या गगनचुंबी मंजिलों वाली कोई नई विशाल हाउसिंग सोसायटी बनती नजर आती है। इसे स्वीकार करें, दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण नहीं है।

यह बड़े पैमाने के विकास, गति और उपभोग में अंतर्निहित जन्मजात अवगुण के कारण है। हम यह कैसे भूल सकते हैं कि वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली के वायु प्रदूषण में एक बड़ा योगदानकर्ता है, अध्ययनों से पता चलता है कि वार्षिक पीएम-2.5 प्रदूषण मानक के घनत्व में यह 10-30 प्रतिशत तक जिम्मेदार हैं, जो इसे खराब वायु गुणवत्ता में एक प्रमुख वजह बनाता है। औद्योगिक गतिविधियों और बिजली संयंत्रों से उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाने, भवन निर्माण कार्य और सड़क से उठती धूल शहर में गंभीर वायु प्रदूषण पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट: नई उड़ान नई संभावना को सलाम

ललित गर्ग

2 नवंबर 2025 का रविवार भारतीय खेल जगत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। यह वह दिन था जब नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी मैदान न केवल एक विश्व कप का साक्षी बना, बल्कि भारतीय महिला शक्ति की अजेय प्रतिभा और जज्बे का भी प्रमाण देखा। शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेल कर विश्वकप को भारत के नाम कराने में अमूल्य योगदान दिया। शेफाली की यह पारी आत्मविश्वास से भरी होने के साथ-साथ सनसनीखेज पारी रही। इसी के साथ स्मृति मंधाना ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए भारत के लिये सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी। उनकी टाइमिंग एवं कंवर ड्राइव ने सबका दिल जीत लिया। वैसे टीम का हर खिलाड़ी इस आश्चर्यकारी जीत के लिये बधाई का पात्र है। निश्चित ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम कर ऐसा इतिहास रचा, जो न केवल खेल का अध्याय है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरक गाथा भी है।

विश्व विजेता बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट की टीम की चर्चा दुनिया के हर कोने में हो रही है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है। सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण-अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया। इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी।

उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सूझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी की ऊर्जा को स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की सटीक लाइन-लेंथ ने टीम को हर मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले पस्त किए। इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं।

जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना शुरू किया है। महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक विजय केवल कप जीतने की कहानी नहीं है, यह उस भारत की घोषणा है जो अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने का साहस रखता है। यह जीत हर उस लड़की की प्रेरणा है जो गली के मैदान में क्रिकेट बैट थामे सपना देखती है कि एक दिन वह भी भारत के लिए खेलेगी।

दिल्ली-एनसीआर की ये हैं पांच फेमस जगहें

भारत की राजधानी दिल्ली केवल राजनीति और इतिहास का केंद्र ही नहीं, बल्कि हर उम्र और हर स्वाद के यात्रियों के लिए स्वर्ग भी है। दिल्ली-एनसीआर में ऐसी कई जगहें हैं जो आपको इतिहास, आधुनिकता, शॉपिंग, खानपान और नेचर का अद्भुत संगम कराती हैं। यहां लाल किला और कुतुब मीनार जैसे विश्व धरोहर स्थल से लेकर गुरुग्राम के मॉडर्न कैफे और नोएडा के मनोरंजन पार्क तक सब कुछ है। अगर वीकेंड पर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो दिल्ली-एनसीआर की ये पांच जगहों पर जरूर जाना चाहिए।

इंडिया गेट

दिल्ली का इंडिया गेट सिर्फ़ एक स्मारक नहीं, बल्कि हर दिल को छूने वाली जगह है। यहां शहीदों की स्मृति और चारों ओर फैला गार्डन इसे पिकनिक स्पॉट बना देता है। शाम के समय यहां की रोशनी और सड़क किनारे मिलने वाला स्ट्रीट फूड अनुभव को और खास बना देता है।

लाल किला

लाल किला दिल्ली का सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है, जो मुग़ल काल की शान और वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण है। इसकी विशाल दीवारें, खूबसूरत नक्काशी और शाम के समय होने वाला लाइट एंड साउंड शो पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। परिवार, दोस्तों या बच्चों के साथ घूमने के लिए यह आदर्श जगह है।

वर्ल्डस ऑफ वंडर, नोएडा

नोएडा का वर्ल्डस ऑफ वंडर युवाओं और बच्चों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है। यह थीम पार्क रोमांचक राइड्स, वाटर पार्क और फूड कोर्ट से भरा है। गर्मी में यहां वाटर राइड्स का मज़ा और सर्दियों में फूड फेस्टिवल्स इसे सालभर का हिट डेस्टिनेशन बनाते हैं।

कुतुब मीनार

कुतुब मीनार यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है और दिल्ली आने वालों के लिए सबसे जरूरी जगहों में से एक है। यहां की ऊंची मीनार, अलाउद्दीन खिलजी द्वारा निर्मित इमारतें और आसपास का हरियाली भरा माहौल फोटोग्राफी के लिए बेहतरीन है। इतिहास प्रेमियों के लिए यह किसी खजाने से कम नहीं।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स, गुरुग्राम

अगर आप कला, संगीत और संस्कृति का आधुनिक रूप देखना चाहते हैं तो गुरुग्राम का किंगडम ऑफ ड्रीम्स सबसे सही जगह है। यहां लाइव शो, थिएटर परफॉर्मेंस और फूड कोर्ट में विभिन्न राज्यों का खाना एक साथ अनुभव करने को मिलता है। परिवार और कपल्स दोनों के लिए यह एक शानदार डेस्टिनेशन है।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..

ऑफ रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है, ऑनलाइन होते ही, धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए होने लगती है, आम भारतीय नागरिक।

लड़के वाले- क्या-क्या कोर्स किया हुआ है आपकी लड़की ने? लड़की वाले- जी प्रोग्रामर है, प्रोग्राम बनाती है, लड़के वाले - कैसा प्रोग्राम ? लड़की वाले - शॉपिंग का, मूवी का, मॉल में जाने का?

एक मच्छर परेशान बैठा था। दूसरे ने पूछा, क्या हुआ? पहला बोला, यार गजब हो रहा है, चूहेदानी में चूहा, साबुनदानी में साबुन, मगर मच्छरदानी में आदमी सो रहा है।

लड़की- मैं हमेशा सोती ही रहती हूं बहुत ज्यादा नींद आती है, डॉक्टर- मोबाइल कौन सा है आपके पास, लड़की- Nokia 1100 है, डॉक्टर- ओह्ह.. मैं एक स्मार्ट फ़ोन लिखे देता हूं उसमें जिओ का सिम डालकर यूट्यूब, फेसबुक इनस्टॉल कर लेना एकदम आराम हो जायेगा।

कहानी | चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराजा अकबर से पूछते हैं कि महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं कि मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं कि तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह बात सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह अकबर ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

7 अंतर खोजें

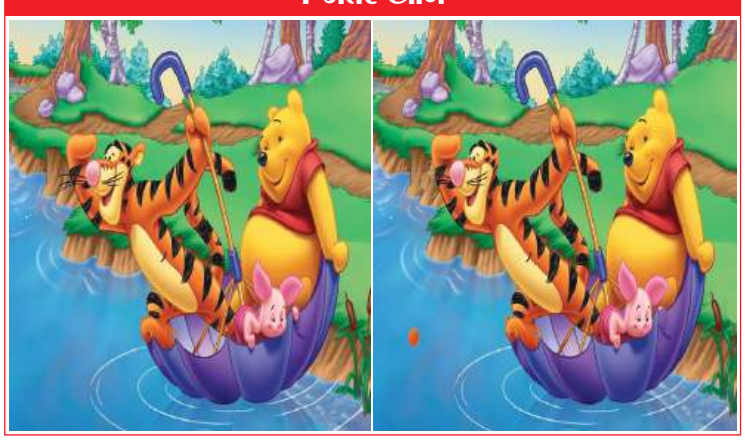

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

सिंह

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें।

मकर

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। समय का लाभ लें।

कुम्भ

किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन

कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने कम्प्रोमाइज करने से इंकार किया तो हाथ से निकल गईं कई फिल्में : सुमा

ग्लैमर की इस जगमगाती दुनिया में अभिनेत्रियों के लिए अपनी राह बनाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। वक्त-वक्त पर इस चकाचौंध में उन्हें करियर में आगे बढ़ने के लिए ऐसी चीजों का सामना करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का एक भयानक हादसा बनकर रह जाता है। आज के समय में मीटू और कास्टिंग काउच को लेकर भले ही एक्ट्रेसेस खुलकर बात करती हैं, लेकिन 90 के दशक में भी निर्देशक-निर्माता एक्ट्रेस का फायदा उठाते थे। ये हम नहीं, बल्कि उस हसीना का कहना है, जिनके साथ 16-17 साल की उम्र में कुछ ऐसा हुआ, जिसके घाव अभी तक नहीं भरे हैं। 90 के दशक की मशहूर मलयालम एक्ट्रेस सुमा जयराम ने बातचीत के दौरान 16-17 की उम्र में हुए उस भयानक हादसे के बारे में बताया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि जब उन्होंने कम्प्रोमाइज करने से इनकार किया, तो उनके हाथ से कितनी फिल्में चली गईं। उन्होंने उस रात के किस्से को याद करते हुए कहा, एक बार मैं बहुत ही मशहूर डायरेक्टर संग काम कर रही थी, मेरी मां भी मेरे साथ थी। एक हफ्ते का शेड्यूल था। सुबह शूटिंग करके शाम को मैं अपने रूम में आई। 10 बजे के आसपास एक फेमस डायरेक्टर मेरे रूम में घुस आया और बालकनी का दरवाजा खटखटाने लगा। जब हमने देखा तो वह डायरेक्टर था, जो नशे की हालत में धुत्त था। मैं सिर्फ उस वक्त 16-17 साल की थी और इस इंसिडेंट से काफी डर गई थी। कुछ समय तक गेट खटकाने के बाद डायरेक्टर वहां से चला तो गया, लेकिन अगले दिन सेट पर सभी पर चिल्लाने लगा। सुमा जयराम ने ये भी बताया कि वह दौर ऐसा था कि आपको बहुत ज्यादा कुर्बानी देनी पड़ती थी, अगर आपने ऐसा नहीं किया, तो आपके हाथ से बड़े रोल्स चले जाते थे। इसके बारे में कोई इसलिए बात नहीं करता था, क्योंकि उन सबकी फैमिलीज थी।

बिहार चुनाव के बीच फिर बोलेगी 'रानी भारती' की तूती

वेब सीरीज महारानी बिहार की राजनीति पिच का पूरा खेल बताती है। इस सीरीज में रानी भारती की भूमिका निभाकर अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने सबका दिल जीता है। अब तक सीरीज के तीन सीजन सामने आ चुके हैं और तीनों के तीनों सुपरहिट साबित हुए हैं। जल्द ही महारानी का सीजन 4 ऑनलाइन स्ट्रीम होने वाला है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इससे पहले हम आपको बता जा रहे हैं कि हकीकत में हुमा कुरैशी का बिहार से क्या कनेक्शन है।

बिहार में इस वक्त विधानसभा चुनाव का माहौल सेट है और दूसरी बिहार की सियासत पर बनी हुमा कुरैशी की लोकप्रिय वेब सीरीज भी रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। रानी भारती के भूमिका के जरिए एक बार फिर से हुमा अपनी छाप छोड़ने के लिए रेडी हैं।

बिहार की राजनीति को लेकर हुमा कुरैशी ने कहा है- हकीकत में मुझे प्रदेश (बिहार) की सियासत के बारे में ऊपर-ऊपर से जानकारी है। लेकिन मैं व्यावहारिक समझ में भरोसा रखती हूं। बिहार के बारे में इतना विस्तार से नहीं जानती हूं, लेकिन मेरे यहां से काफी पुराना एक नाता है, जब मैं किशनगंज में एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले से आई थी। उस वक्त मेरी उम्र में महज 18 साल थी,

वो भी क्या खास अनुभव था। तब इतना समय यहां नहीं दे पाई, लेकिन अब बिहार को थोड़ा बहुत समझ चुकी हूं। खासतौर पर यहां के व्यंजक चटनी, चोखा और दाल की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

आज बिहार के 18 जिलों की 181 सीटों पर विधानसभा चुनाव जारी है। इसको लेकर हुमा कुरैशी ने बिहार की जनता से मतदान करने को लेकर अपील की है और कहा है-घरों से निकलें और वोट डालें। ताकि आप अपने कीमती वोट की बदौलत एक अच्छी सरकार का चयन करें। इसके अलावा हुमा ने महिला सशक्तिकरण जैसे मामले को लेकर भी अपनी राय रखी है। रानी भारती के किरदार में वेब सीरीज महारानी सीजन 4 के जरिए हुमा कुरैशी जल्द ही कमबैक करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस की ये सीरीज 7 नवंबर 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर ऑनलाइन स्ट्रीम की जाएगी। इस सीरीज में वह इस बार बिहार की मुख्यमंत्री के अलावा देश की प्रधानमंत्री भी बनती नजर आ सकती हैं।

दुलकर सलमान की कांथा का ट्रेलर रिलीज, 14 को आयेगी फिल्म

राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस स्पिरिट मीडिया द्वारा निर्मित फिल्म 'कांथा' का ट्रेलर रिलीज किया गया है। 'कांथा' दुलकर सलमान की एक मच अवेटेड पीरियड ड्रामा फिल्म है। ट्रेलर को तमिल और तेलुगु में रिलीज किया गया है। दोनों ही जगह ट्रेलर को अलग-अलग शख्सियतों ने लॉन्च किया है।

दुलकर सलमान ने एक्स पर ट्रेलर को शेयर करते हुए लिखा, 'यह एक ऐसी दुनिया है, जिसमें हमने अपना दिल लगा दिया है। आशा है कि यह आपको अपनी ओर खींच लेगी।'

कांथा में एक हॉरर फिल्म शांता के बनने की कहानी को दिखाया गया है।

ट्रेलर की शुरुआत निर्देशक अय्या जिसकी भूमिका में समुथिरकानी हैं और फिल्म के एक्टर नट चक्रवर्ती टीके महादेव (दुलकर सलमान) के बीच के संघर्ष से होती है। इन एक्टर-डायरेक्टर के बीच ईगो क्लैश देखने को मिलता है। भाग्यश्री बोरसे के किरदार का नाम कुमारी है, जो शांता की हीरोइन है। शांता मॉडर्न पिक्चर्स की नई हॉरर फिल्म है। कुछ ऐसा होता है कि फिल्म का हीरो अपने ईगो और क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म की कमान अपने हाथ में ले लेता है। हालांकि, फिल्म की हीरोइन, निर्देशक अय्या के प्रति वफादार है। इसके चलते समुथिरकानी और दुलकर के किरदारों में टकराव बढ़ जाता है। फिल्म में राणा दग्गुबाती ने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाई है।

'कांथा' के तेलुगू ट्रेलर को प्रभास ने जारी किया है और तमिल वर्जन को सिलंबरासन टी।आर। द्वारा जारी किया गया है। सेल्वामनी सेल्वराज द्वारा निर्देशित 'कांथा' को राणा दग्गुबाती और दुलकर सलमान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। 'कांथा' 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजब-गजब | इस महिला ने कमाने का निकाला नायाब तरीका

अपने खूबसूरत हाथों के दम पर कमाती है ढाई लाख

अक्सर हम सोचते हैं कि मॉडलिंग केवल चेहरे या शरीर की सुंदरता तक ही सीमित है, लेकिन दुनिया में एक ऐसा क्षेत्र भी है जहां सिर्फ शरीर के हिस्सों (जैसे- हाथ, पैर या कान) से मॉडलिंग करके लोग लाखों रुपये कमाते हैं। न्यूयॉर्क की अविशा तेवानी भी ऐसी ही एक मॉडल हैं, जो बड़े-बड़े ब्रांड्स के लिए अपने सबसे खूबसूरत हाथों के दम पर वह रोजाना लगभग 2.5 लाख तक कमाती हैं। इतना ही नहीं, इस मॉडलिंग में उन्हें अपना चेहरा दिखाने की भी जरूरत नहीं होती है। लेकिन अविशा ने हाल ही में खुलासा किया कि डायर और चैनल जैसे हाई-एंड ब्रांड्स के लिए काम करने वाली इस पेशेवर हैंड मॉडल की यह जिंदगी उतनी आसान नहीं है, जितनी लगती है। उन्हें कई मुश्किल और चुनौतिपूर्ण हालातों का सामना करना पड़ता है।

बता दें कि 35 वर्षीय अविशा तेवानी ने 2020 में हैंड मॉडलिंग के क्षेत्र में एंट्री की। इससे पहले वह एक फ्रीलांस स्टाइलिस्ट थीं और अब भी अपना काम जारी रखे हुए हैं। एक रिश्तेदार के लिए वेडिंग और एंगेजमेंट रिंग की फोटोशूट में मदद करने के बाद उन्होंने अपनी तस्वीरें एक एजेंट को भेजीं और साइन अप करने के एक या दो हफ्ते के भीतर ही उन्हें पहला काम मिल गया। तब से उन्होंने स्टारबक्स, कोका-कोला, एब्सोल्यूट वोदका और काइली कॉस्मेटिक्स जैसे बड़े नामों के साथ काम किया है। अपने हाथों को बेदाग बनाए रखने के लिए अविशा

को अपनी लाइफ में कई बड़े बदलाव करने पड़े। वह बताती हैं, मुझे अपनी सिटी बाइक की सदस्यता छोड़नी पड़ी, क्योंकि पहले एक दुर्घटना में मेरी कोहनी और कलाई में फ्रैक्चर हो गया था। मैं अब वह जोखिम नहीं ले सकती थी। वह कहती हैं कि उन्हें बॉक्सिंग बहुत पसंद थी, लेकिन उन्होंने वर्कआउट भी बंद कर दिया, ताकि हाथों को कोई नुकसान न पहुंचे। इसके अलावा, वह किसी भी तरह का वर्कआउट करते समय ग्लव्स पहनती हैं, ताकि हाथों पर कैलस न पड़ें। अविशा ने कहा, मैं बर्तन धोते समय कभी दस्ताने नहीं पहनती थी, लेकिन अब मैं ऐसा अक्सर करती हूं। अगस्त 2020 में अपने एजेंट के साथ साइन अप करने के बाद से अविशा का करियर तेजी से आगे बढ़ा है। वह कई एजेंसियों के साथ काम कर रही हैं जो उनके पैर, कान और गर्दन जैसे शरीर के विशिष्ट हिस्सों की मॉडलिंग में एक्सपरटाइज रखती हैं। वह बताती हैं कि कई लोग सोचते हैं कि शूट में बस 'चीज़ों को पकड़ना' होता है, लेकिन यह अक्सर 'चुनौतीपूर्ण' होता है। क्लाइंट की मांगों के आधार पर वह लोकेशन पर दो से 12 घंटे तक काम करती हैं और क्रू में पांच से लेकर 35 लोगों तक की टीम हो सकती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी सुबह 7 बजे ही बुकिंग कन्फर्म होती है, जिस कारण यह काम 'मुश्किल' होता है। अविशा ने कहा, क्लाइंट को भी ठीक से पता नहीं होता कि वे क्या चाहते हैं। वे आपकी रचनात्मकता पर भरोसा करते हैं कि आप उत्पाद को आकर्षक दिखाएं, ब्रांडिंग को प्रदर्शित करें और यह सुनिश्चित करें कि आपका हाथ सुंदर दिखे। अविशा एक उदाहरण देते हुए बताती हैं, कभी-कभी किसी ब्रांड के पास लिपस्टिक जैसे उत्पाद के सिर्फ एक या दो सैंपल होते हैं। आपको इसे घुमाना होता है, इसे लगाना होता है, इसके साथ कुछ करना होता है। लेकिन सैंपल सिर्फ दो होते हैं, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होता है कि आप इसे सही करें। उन्होंने चैनल के साथ किए गए एक काम के बारे में उत्साह व्यक्त किया, जो वेलेंटाइन डे के लिए दो दिन का शूट था। अविशा ने कहा, मेनीक्योर बहुत अच्छा था और उन्होंने इसे दो या तीन बार बदला। मुझे शॉट के लिए एक कबूतर पकड़ना पड़ा।

62 साल से नहीं सोया किसान, एक सेकंड के लिए भी नहीं ली झपकी!

क्या आप रात को नींद ना आने पर परेशान होते हैं? अगर एक रात की नींद पूरी नहीं होती है तो अगले दिन चिड़चिड़ापन महसूस होता है। अब कल्पना कीजिए कि अगर 62 साल से नींद ही ना आए तो? वियतनाम के एक किसान थाई नगोक का दावा यही है। 81 साल के इस शख्स का कहना है कि 1962 में तेज बुखार के बाद से उन्होंने एक सेकंड भी नींद नहीं ली है। उन्हें ना झपकी आती है और ना ही गहरी नींद। वो बस जागते ही रहते हैं। ये सुनकर डॉक्टर्स भी हैरान हैं, क्योंकि साइंस कहती है कि नींद के बिना इंसान कुछ दिनों में ही मर सकता है। लेकिन नगोक ना सिर्फ जिंदा हैं, बल्कि खेतीबाड़ी, भारी काम और रोजमर्रा के सारे काम कर रहा है। उनकी ये कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसने लाखों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। थाई नगोक का जन्म 1942 में वियतनाम के क्वांग नाम प्रांत के एक छोटे से गांव में हुआ था। वियतनाम वॉर के दौरान 20 साल की उम्र में उन्हें तेज बुखार आया। बुखार उतर गया, लेकिन उनकी नींद चली गई। नगोक बताते हैं, मैंने दवाइयां खाईं, घरेलू नुस्खे आजमाए, यहां तक कि शराब पीकर सोने की कोशिश की, लेकिन नींद नहीं आई। उनकी पत्नी, बच्चे, दोस्त और पड़ोसी सभी इस दावे को कन्फर्म करते हैं। उन्होंने कभी नगोक को सोते नहीं देखा है। यूट्यूबर ड्रू बिंस्की ने 2023 में उनसे मिलने अरिजोना से वियतनाम का सफर किया था। वो रातभर साथ रहे, लेकिन नगोक जागते ही रहे। कभी खेतों में काम करते तो कभी चावल की शराब बनाते। नगोक ने कई चेकअप कराए हैं। इसमें कोई बड़ी बीमारी नहीं निकली। उनका ब्लड प्रेशर, हार्ट, ब्रेन सब नॉर्मल है। डॉक्टर्स हैरान हैं कि नींद मेमोरी, इम्यूनिटी, ग्रोथ के लिए जरूरी है। बिना नींद के ब्रेन फेल हो जाना चाहिए लेकिन नगोक फिट हैं। कुछ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शायद माइक्रो-स्लीप्स (कुछ सेकंड की अनजानी झपकियां) लेते होंगे, जो नोटिस नहीं होती है। नगोक का रूटीन कमाल का है। वो दिन में खेत संभालते हैं, भारी बोझ उठाते हैं।

केंद्र की वजह से किसान कर रहे आंदोलन : सिद्धारमैया

» सीएम ने किसानों से किया अनुरोध, बोले- वे इस तरह की हड़ताल न करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) तय करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। उत्तरी कर्नाटक के गन्ना किसान 3,500 रुपये प्रति टन की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। उन्होंने किसानों से अपना आंदोलन तेज़ न करने का आग्रह किया और उन्हें आज बेंगलुरु में बातचीत के लिए बुलाया। सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने चल रहे आंदोलन पर चर्चा के लिए हावेरी, बेलगावी, विजयपुरा और बागलकोट के चीनी मिल मालिकों और किसान प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा इस साल, कटाई और परिवहन सहित एफआरपी वसूली 10.25 प्रति टन तय की गई है। मुख्यमंत्री ने किसानों से बैठक में शामिल होने और राजमार्गों को अवरुद्ध करने से बचने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि मैं किसानों से अनुरोध करता हूं कि वे इस तरह की हड़ताल न करें और जनता को असुविधा न पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वह तुरंत प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगेंगे। सिद्धारमैया ने चीनी विनियमन और इथेनॉल आवंटन को लेकर भी केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र ने न केवल गन्ने की कीमतें तय कीं, बल्कि चीनी का विनियमन भी किया, निर्यात रोक दिया और कर्नाटक को केवल 47 करोड़ लीटर इथेनॉल आवंटित किया, जबकि राज्य 270 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन करता है। उन्होंने विपक्ष पर किसानों की मासूमियत का फायदा उठाने का आरोप लगाया, जबकि राज्य ने डिजिटल तौल मशीनों के लिए निविदा जारी करने और कटाई व उपज की निगरानी के लिए समितियां गठित करने जैसे कदम उठाए हैं।

मैं कांग्रेस का अनुशासित सिपाही हूं : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक बार फिर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने खुद को कांग्रेस का अनुशासित सिपाही बताया और दोहराया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। पार्टी के भीतर एकता पर ज़ोर देते हुए, शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसका पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल में फेरबदल या नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऐसे फ़ैसले पूरी तरह से पार्टी नेतृत्व पर निर्भर करते हैं। मैं किसी से मिलने नहीं जा रहा हूं। मैंने मंत्रिमंडल में फेरबदल के बारे में कोई चर्चा नहीं की है। बाकी सब मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है, उन्हें जो करना है करने दीजिए। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया की अटकलें ही इस कहानी को आगे बढ़ा रही हैं। पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए शिवकुमार ने कहा कि अगर पार्टी कहती है कि सिद्धारमैया पांच साल तक पद पर बने रहेंगे, तो वह पांच साल तक पद पर बने रहेंगे। अगर वे पंद्रह साल भी कहते हैं, तो भी वह पंद्रह साल तक पद पर बने रहेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका ध्यान संगठनात्मक कार्य और पार्टी एकता पर बना हुआ है।

जयराम ठाकुर ने प्रदेश का बेड़ा गर्क किया : सुक्खू

» सीएम बोले- भाजपा के पिछले कार्यकाल से राज्य की स्थिति निचले स्तर पर आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

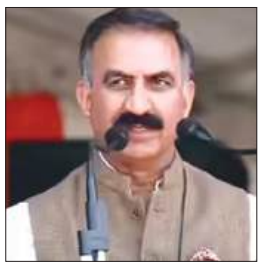

शिमला। नेता विपक्ष और पूर्व सीएम पर हमलावर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जयराम ठाकुर सबकुछ ठीकठाक करते तो प्रदेश का बेड़ा गर्क न होता। सीएम ने कहा कि आज राज्य की स्थिति निचले स्तर पर पहुंच गई है तो इसमें भाजपा के पिछले कार्यकाल की भूमिका है। जयराम कह रहे हैं कि उन्हें 1400 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य का प्रोजेक्ट दिलाया गया। वह जानना चाहते हैं कि इसकी स्वीकृति कहां है और मंजूरी का पत्र कहां है। सुक्खू ने कहा कि जो भी प्रोजेक्ट स्वास्थ्य में जाते हैं, उनकी डीपीआर के बाद प्री फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनती है।

उसके बाद मंजूरी नीति आयोग के पास जाती है। नीति आयोग के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पास और उसके बाद केंद्रीय वित्त मंत्री के पास प्रोजेक्ट जाते हैं। फिर राज्य सरकार के पास आते हैं। इनके लिए बाहरी बैंकों में से भी किसी को भी चुना जाता है। उसके बाद 28 प्रतिशत हिमाचल सरकार देती है। इसमें 100 में से 72 प्रतिशत मिलता है। उन्होंने कहा कि जीका और विश्व बैंक के प्रोजेक्ट अपने प्रोजेक्ट हैं। जो वित्तायोग की संस्तुति होती है, उसके अनुसार इन परियोजनाओं में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि आगे 16वां वित्तायोग भी संस्तुति करेगा तो उसके हिसाब से मदद मिलेगी। अभी आपदा के लिए 2000 करोड़ का प्रोजेक्ट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा शीत सत्र को लेकर उनकी स्पीकर और संसदीय कार्य मंत्री से बात हुई है।

भारत ने सीरीज में 2-1 की बनाई अजेय बढ़त

» सुंदर-शिवम दुबे और अक्षर चमके, गिल ने बनाए 46 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैरारा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी20 मैच में 48 रन से हराकर 2-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। अब आखिरी मुकाबले में आठ नवंबर को होगा, जिसमें जीत हासिल कर भारत 3-1 से अपने नाम करना चाहेगा। बता दें कि, कैरारा में खेले गए चौथे मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 18.2 ओवर में ही 119 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) जबकि मैथ्यू शॉर्ट (25) ने शुरुआत में कुछ आक्रामक शॉट लगाए। जबकि आखिर में वाशिंगटन सुंदर ने कहर बरपाया।

उन्होंने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस (17) और जेवियर बार्टलेट (0) को आउट करने के बाद अगली ओवर में एडम जंपा (0) को भी चलता किया। सुंदर ने मात्र तीन रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल ने 20 रन पर दो विकेट और शिवम दुबे ने भी 20 रन पर दो विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह को भी एक-एक सफलता मिली। भारत की ओर से गिल के अलावा कोई और नहीं चला। उन्होंने 46 रन की पारी खेली। अभिषेक शर्मा 28 और शिवम दुबे 22 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 20 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा पांच रन और जितेश शर्मा तीन रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर भी 12 रन ही बना सके। अर्शदीप खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। आखिर में अक्षर पटेल ने 11 गेंद में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस और जैम्पा ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा जेवियर बार्टलेट और स्टोइनिस को एक-एक विकेट मिला।

घर में ऑस्ट्रेलिया की शर्मनाक हार

पांच मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया अपने घर में टी20 अंतरराष्ट्रीय के दूसरे सबसे छोटे स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया 2022 में सिडनी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 111 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी। वहीं, भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं की सरजमीं पर दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य सफलतापूर्वक डिफेंड किया। इससे पहले 2020 में भारत ने 162 रनों का लक्ष्य डिफेंड किया था।

दिल्ली के कई वोटरों ने बिहार में किया मतदान

» सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर वोट चोरी का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा पर वोट चोरी के आरोप की खबरें अभी शांत नहीं हो रही हैं। कांग्रेस के बाद अब आम आदमी पार्टी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में फरवरी में वोट डालने वाले कई नेताओं ने अब बिहार विधानसभा चुनाव में भी मतदान किया है। सौरभ भारद्वाज ने सबूतों के साथ चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया की पोल खोलते हुए भाजपा पर दोहरे मतदान का आरोप लगाया। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोट डालने वाले भाजपा सांसद राकेश सिन्हा, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा और भाजपा नेता नागेंद्र कुमार ने बिहार में भी वोट किया है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब एसआईआर के बाद किसी व्यक्ति का नाम एक से अधिक राज्यों की मतदाता सूची

में नहीं रह सकता, तो ये मतदान कैसे संभव हुआ? उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट पर इसके सबूत खुद मौजूद हैं। संतोष ओझा ने छह नवंबर को इंस्टाग्राम पर लिखा, समृद्ध बक्सर, सशक्त बिहार के लिए मतदान किया, जबकि उन्होंने पांच फरवरी को दिल्ली में पूर्वांचल के सम्मान के लिए वोट डालने की पोस्ट की थी। इसी तरह भाजपा सांसद राकेश सिन्हा, जो दिल्ली विवि में पढ़ाते हैं, उन्होंने भी दिल्ली और बिहार दोनों जगह मतदान किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह केवल तीन नामों का मामला नहीं है, पता नहीं कितने भाजपा कार्यकर्ता इस तरह दो-दो जगह वोट डालकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं।

एमसीडी उपचुनाव में वोट चोरी पर नजर रखेंगी कांग्रेस की बूथ टीमें : देवेंद्र

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि एमसीडी के 12 वार्डों में होने वाले आगामी उपचुनाव के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने प्रत्येक बूथ पर पांच सदस्यीय टीमें गठित की हैं, जो भाजपा की कथित वोट चोरी पर कड़ी निगरानी रखेंगी और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगी। यादव ने कहा कि बीते नौ महीनों से कांग्रेस की बूथ टीमें घर-घर जाकर मतदाताओं को भाजपा की वोट चोरी की साजिश और रेखा गुप्ता सरकार की जनविरोधी नीतियों के बारे में जागरूक कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों का मूड स्पष्ट रूप से कांग्रेस की ओर झुक रहा है। जनता भाजपा और आम आदमी पार्टी से त्रस्त हो चुकी है और अब बदलाव चाहती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा और आप ने पिछले 18 वर्षों में एमसीडी को भ्रष्टाचार और निष्क्रियता का अड्डा बना दिया है, जिससे दिल्ली प्रदूषण, कचरे और गंदगी के ढेर में बदल गई है।

खेसारी लाल के बंगले पर चल सकता है बुलडोजर

» नगर निगम ने भेजा अवैध निर्माण का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता और बिहार चुनाव में राजद के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव के बंगले पर बुलडोजर चल सकता है। मीरा भायंदर नगर निगम ने उन्हें इस संबंध में नोटिस भी भेजा है। यादव के बंगले में अवैध काम करने को लेकर यह नोटिस भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि उनके बंगले के अवैध निर्माण को तोड़ दिया जाएगा।

नोटिस में कहा गया है कि खेसारीलाल के घर के बाहर लगाए गए लोहे के एंगल और शेड को तुरंत हटाया जाए, अन्यथा अतिक्रमण विभाग की ओर से बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी। यह मामला तब सामने आया जब अतिक्रमण की जांच की गई। इसी दौरान खेसारीलाल के बंगले पर अनधिकृत संरचना पाई गई।

इंदिरा नगर में हेलमेट चोरों का गिरोह सक्रिय

» सीसीटीवी की भी नहीं कर रहे परवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा नगर इलाके में हेलमेट चोर इस समय इतने बेखौफ हो चुके हैं कि उन्हें लखनऊ पुलिस के द्वारा हर चौराहे पर लगाएं गए सीसीटीवी की भी परवाह नहीं है। हाईकोर्ट में अधिवक्ता कार्य कर रहे राजीव मिश्रा का हेलमेट शाम 5 :30 बजे हेलमेट चोर उस समय उठा ले गए जब उन्होंने मुंशी पुलिया चौराहे के निकट अपनी स्कूटी पार्क की और अपना हेलमेट उस पर रखकर चले गए।

हेलमेट चोरी होने के बाद निकलवाई गयी सीसीटीवी फुटेज में

तीन युवक दिखाई दिए हैं जिसमें गुलाबी शर्ट पहने एक युवक ने काला हेलमेट ले रखा है। राजीव का दावा है कि यही उसका हेलमेट है। अब देखना यह है कि लखनऊ पुलिस इंदिरा नगर सहित पूरे लखनऊ में सक्रिय हेलमेट चोरों के गिरोह पर क्या कार्रवाई करती है।

फिर बाहर आया प्रो. आलोक राय का काला कारनामा

लविवि के तत्कालीन कुलपति को गए गुजरे कई महीने, आज भी परिसर में रह रहे परिजन, प्रशासन के मद से ही जा रहा किराया व अन्य खर्च

» सीएम योगी तक पहुंचा मामला कुलपति की नियुक्ति भी थी अवैध

» प्रो. राय पर लगा था भ्रष्टाचार का आरोप, की थी गलत भर्तियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विवादों में रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. आलोक राय को यहां से गए काफी समय हो गया है। पर विश्वविद्यालय में उनकी हनक व धमक आज भी कायम है। उनके जाने के बाद उनका परिवार आज विवि के परिसर में रह रहा है।

यही नहीं उनकी सेवा में विवि के कर्मचारी लगे हुए हैं। ऐसी भी चर्चा है कि इन सबको वेतन भी विवि से ही दिया जा रहा है। जबकि इस बाबत कई बार विरोध भी जताया जा चुका है। पर कु लाधिपति अर्थात राज्यपाल के इशारे पर कोई भी कार्यवाही विवि प्रशासन नहीं कर रहा है। जबकि इसकी शिकायत सीएम कार्यालय तक पहुंच चुकी है।

आपको बता दें कि कई अनियमिताओं में शामिल होने के बाद भी प्रो राय को दो बार देश प्रतिष्ठित विवि का कु लपति बनाया गया था।

वर्तमान में प्रो. राय आईआईएम कोलकाता के निदेशक हैं

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता के निदेशक हैं। उनकी नियुक्ति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी है। ऐसा माना जाता है कि उनके नाम की सिफारिश संघ व वर्तमान सत्तादल के शीर्ष नेतृत्व ने की है। बीएचयू के प्रोफेसर आलोक कुमार राय 30 दिसंबर 2019 को पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति बने थे। सूत्रों की माने तो लखनऊ विश्वविद्यालय में आज भी उनकी चलती है।

लूटा ने सीएम योगी को लिखा पत्र

उधर लविवि टीचर्स एसोशिएसन-लूटा के उपाध्यक्ष, डॉ. अरशद अली जाफ़री ने सीएम योगी आदित्य नाथ को प्रो आलोक राय के कार्यकाल में हुए गलत कामों की शिकायत भी भेजी थी। उन्होंने पत्र में लिखा था कि डॉ. राय ने बड़ी संख्या में अवैध नियुक्तियां और पदोन्नतियां की हैं जो विश्वविद्यालय के अधिनियम और संविधि के अनुरूप नहीं हैं। डॉ. आलोक कुमार राय ने एलयू में भ्रष्टाचार करके बहुत पैसा कमाया है। उन्होंने लखनऊ और अन्य शहरों में अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम पर कई संपत्तियाँ खरीदी हैं। यह आय से अधिक संपत्ति का मामला है। वर्तमान में एलयू गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा है और शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन बड़ी मुश्किल से दिया जा रहा है। अतः हम आपसे अनुरोध करते हैं कि डॉ. आलोक कुमार राय के लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से उनके कार्यकाल के दौरान हुई वित्तीय अनियमितताओं की उचित जाँच की जाए। बता दे डॉ. अरशद अली जाफ़री उपाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के साथ-साथ सहायक प्राध्यापक, अरबी और फ़ारसी प्राच्य अध्ययन विभाग भी हैं।

राज्य विवि यूजीसी नियम मानने को बाध्य

सर्च कमेटी को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी भी कमजोर पात्रता मानदंड को निर्धारित करे, जो लागू यूजीसी विनियमों का कड़ाई से पालन नहीं करता हो। यूजीसी दिशानिर्देशों के विपरीत होने के कारण, अवैध मानी गई। यूजीसी विनियम, 2010 और यूजीसी विनियम, 2018 का पालन करने के लिए बाध्य हैं। योजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय सहायता का भुगतान इस शर्त के अधीन है कि राज्य सरकारें और विश्वविद्यालय यूजीसी के विनियमों और दिशानिर्देशों को बिना किसी संशोधन के लागू करेंगे। यहाँ तक कि राज्य सरकार ने भी अपने संकल्प में। 11-11-2009 को यूजीसी दिशानिर्देशों को लागू करने का निर्णय लिया था।

उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में अनदेखी

पिछले कु छ सालों से उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में अनदेखी की जा रही है। बता दें भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 3 मार्च, 2022 को गंभीरदन के. गढ़वी बनाम गुजरात राज्य के मामले में यह निर्णय दिया कि चूँकि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है,इसलिए किसी भी विवाद की स्थिति में एक केंद्रीय कानून - इस मामले में, यूजीसी नियम - राज्य के कानून पर प्रभावी होगा। यूजीसी के 2018 के नियमों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कुलपति पद की पात्रता के लिए उम्मीदवार के पास प्रोफेसर के रूप में 10 वर्षों का अनुभव होना आवश्यक है। प्रो. शिरीष कुलकर्णी पहली बार 2016 में सरदार पटेल विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में शामिल हुए थे। उनकी नियुक्ति के खिलाफ गुजरात उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि उन्हें कुलपति पद से हटा दिया जाना चाहिए क्योंकि वे केवल 8 वर्ष और 5 महीने की अवधि के लिए प्रोफेसर थे। गुजरात उच्च न्यायालय ने जुलाई 2018 में याचिका खारिज कर दी और कहा कि यूजीसी के नियमों को गुजरात द्वारा नहीं अपनाया गया है और इसलिए वे प्रतिवादी विश्वविद्यालय पर बाध्यकारी नहीं हैं। नियुक्ति के विरुद्ध उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें कहा गया था कि उन्हें कुलपति पद से हटा दिया जाना चाहिए क्योंकि वे पिछले 8 वर्षों और पाँच महीनों से ही प्रोफेसर हैं। उप-कुलपति के रूप में सेवा करना प्रोफेसर के अनुभव के रूप में नहीं गिना गया। 7- 3 मार्च, 2022 को, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरदान के. गढ़वी बनाम गुजरात राज्य के मामले में फैसला सुनाया कि कुलपति की नियुक्ति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

मोदी-शाह ने चुराए वोट : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले किया प्रचार

» बोले -अब बिहार में नहीं चलने देंगे चुनाव चोरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में मतदाता धोखाधड़ी के नए आरोप लगाने के एक दिन बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार में 121 सीटों पर पहले चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा। गांधी ने बुधवार को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि वे जहाँ भी चुनाव लड़ रहे हैं, वोट चुराकर चुनाव जीत रहे हैं... कल हमने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव चुराया है, और उन्होंने बिहार में पिछला चुनाव भी चुराया था।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि इसलिए इस बार वोट चोरी नहीं होने दी जानी चाहिए। (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह, चुनाव आयोग, वोट चोरी में शामिल हैं। संविधान की रक्षा करना आपकी (मतदाताओं की) जिम्मेदारी है। हमें वोट चोरी नहीं होने देनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने अपने इस दावे को दोहराया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिमोट से नियंत्रित कर रहे हैं और बिहार में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और अस्पतालों की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया।

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि बिहार को फिर से प्रगति की आवश्यकता है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय और अस्पताल बिहार में स्थापित होने चाहिए। बिहार को पर्यटन और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनना चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐसा नहीं कर सकते। नीतीश कुमार कुछ नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी रिमोट से नियंत्रित कर रहे हैं... नीतीश कुमार सरकार नहीं चला रहे हैं; इसे बिहार और दिल्ली के नौकरशाह, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चला रहे हैं।

सीईसी व दो निर्वाचन आयुक्त हैं मुख्य दोषी

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार से ऐसी खबरें आ रही हैं जो 'वोट चोरी' के सबूतों को पुख्ता करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ''लोकतंत्र की हत्या'' के मुख्य दोषी मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और दो निर्वाचन आयुक्त हैं, जो ''संविधान के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात'' कर रहे हैं। गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि अन्य राज्यों के चुनावों में मतदान करने वाले कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता बिहार में भी मतदान कर रहे हैं। गांधी ने आरोप लगाया, ''और जान लीजिए, आपके लोकतंत्र की इस हत्या के मुख्य ज़िम्मेदार हैं- ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी। ये निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारी हैं, लेकिन वे संविधान और लोकतंत्र के साथ सबसे बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। जिन्हें बनाया गया था मताधिकार का पहरेदार, वही बन गए हैं आपके भविष्य की चोरी में साझेदार।

मतदाता सूची में हो रही हेराफेरी के बारे में जागरूकता आवश्यक

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''भारत के मेरे युवा और 'जेन जेड' साथियों, कल ही मैंने सबूतों के साथ साबित किया था कि कैसे हरियाणा में वोट चोरी के ज़रिए सरकार चोरी की गई, और एक पूरे राज्य का जनमत छीन लिया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''कुछ दिनों पहले बिहार में मैंने 'वोटर अधिकार यात्रा' भी की थी, ताकि जनता को एसआईआर के माध्यम से बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में हो रही हेराफेरी के बारे में जागरूक किया जा सके। आज, बिहार के कोने-कोने से आ रही खबरें और वीडियो वोट चोरी के सबूतों की कड़ी को और मज़बूत कर रहे हैं।'

आरएसएस-भाजपा ने कभी नहीं गाया वंदे मातरम : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष का भाजपा पर करारा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर इस गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने और अपने कार्यालयों, शाखाओं, अपने ग्रंथों या साहित्य में इसे छूटने का आरोप लगाया, जबकि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक लोकप्रिय नारा है। खड़गे के अनुसार, आरएसएस भारत के राष्ट्रीय गीत की बजाय संगीतमय प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले गाना पसंद करता है।

कांग्रेस पार्टी की परंपराओं से इसकी तुलना करते हुए, उन्होंने बताया कि 1986 से लेकर आज तक, कांग्रेस की हर बैठक, चाहे वह पूर्ण अधिवेशन हो या ब्लॉक स्तरीय बैठक, नेताओं ने वंदे मातरम गाया है। खड़गे ने गीत की 150 वीं वर्षगांठ पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह बहुत ही विडंबनापूर्ण है कि जो लोग आज राष्ट्रवाद के स्वयंभू संरक्षक होने का दावा करते हैं - आरएसएस और भाजपा, उन्होंने कभी भी

अपनी शाखाओं या कार्यालयों में वंदे मातरम या हमारा राष्ट्रगान जन गण मन नहीं गाया। इसके बजाय, वे नमस्ते सदा वत्सले गाते रहते हैं, जो राष्ट्र का नहीं, बल्कि उनके संगठनों का महिमामंडन करने वाला गीत है। 1925 में अपनी स्थापना के बाद से, आरएसएस ने वंदे मातरम से परहेज किया है, इसके सार्वभौमिक सम्मान के बावजूद। इसके ग्रंथों या साहित्य में एक बार भी इस गीत का उल्लेख नहीं है।

खरगे की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में इस गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया, जहाँ उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बिहार के पटना में एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने एक साल तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की। स्वतंत्रता संग्राम में संघ की भूमिका की आलोचना करते हुए, खड़गे ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि आरएसएस ने अंग्रेजों का समर्थन किया, राष्ट्रीय ध्वज फहराने से इनकार किया, संविधान का दुरुपयोग किया और बाबा साहेब अंबेडकर के पुतले फूँके। खरगे के बयान में कहा गया है, यह सर्वविदित तथ्य है कि आरएसएस और संघ परिवार ने आंदोलन में भारतीयों के खिलाफ अंग्रेजों का समर्थन किया, 52 वर्षों तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, भारत के संविधान का दुरुपयोग किया, बापू और बाबा साहेब अंबेडकर के पुतले फूँके और सरदार पटेल के शब्दों में, गांधीजी की हत्या में शामिल रहे।

दो डंपर की टक्कर में जिंदा जल गया चालक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भदोही। कोतवाली क्षेत्र के उगापुर नहर के पास शुक्रवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। दो डंपर की आपस में टक्कर हो गई। जिसमें एक डंपर के केबिन में आ लग गई। इससे उसमें फंसे चालक की जलकर मौत हो गई।

खलासी ने किसी तरह कूदकर जान बचाई। मृतक मिर्जापुर के बनकट गांव का निवासी था। घटना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल ने किसी तरह आग को बुझाया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक डंपर चालक की पहचान मिर्जापुर के बनकट गांव निवासी सुरेश यादव के रूप में हुई है। हादसे के बाद चालक के परिजनों को सूचना दी गई।

एअर इंडिया विमान हादसे में केंद्र को सुप्रीम नोटिस

पायलट के पिता की याचिका पर जवाब तलब

» सुप्रीमा कोर्ट ने कहा- आपके बेटे पर कोई आरोप नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए पायलट के पिता की स्वतंत्र जांच की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और डीजीसीए से जवाब तलब किया है। वहीं इस मामले में कोर्ट ने मृत पायलट के पिता से साफ कहा कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में भी पायलट के खिलाफ कोई आरोप नहीं है।

कोर्ट ने पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल के 91 वर्षीय पिता से कहा कि उनके बेटे को हादसे के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है, और उन्हें खुद पर इसका बोझ नहीं लेना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को नोटिस जारी किया है। पीठ ने कहा, आपको खुद पर बोझ नहीं लेना चाहिए। पायलट को इस हादसे के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है। यह एक दुर्घटना थी। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई संकेत नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।